नौसेना का बहुपक्षीय अभ्यास मिलन-2022

भारतीय नौसेना के बहुपक्षीय अभ्यास मिलन (MILAN) 2022 का नवीनतम संस्करण का आयोजन 25 फरवरी, 2022 से ''**सिटी ऑफ डेस्टिनी'** के रूप में विख्यात शहर **विशाखापत्तनम** में किया जाएगा।

- कोविड-19 के कारण इस अभ्यास के वर्ष 2020 संस्करण को 2022 तक के लिये स्थगित कर दिया गया था।

प्रमुख बिंदु

- **मिलन 22:**
  - मिलन 22 अब तक की अपनी सबसे बड़ी भागीदारी का गवाह बनेगा, जिसमें 40 से अधिक देश अपने युद्धपोत/उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजेंगे।
  - मिलन का यह संस्करण सरफेस, सब-सरफेस तथा हवाई युद्ध व हथियार फायरिंग अभ्यास सहित समुद्र में अभ्यास पर ध्यान देने के साथ 'दायरे और जटिलता' के लिहाज़ से बड़ा होगा।
  - **थीम: मिलन 2022 अभ्यास की थीम** 'कैमराडरी- कोहेज़न- कोलेबोरेशन' (Camaraderie - Cohesion – Collaboration) है, जिसका उद्देश्य भारत को दुनिया के लिये बड़े स्तर पर एक ज़िम्मेदार समुद्री शक्ति के रूप में पेश करना है।
- **मिलन:**
  - मिलन एक द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है जिसकी शुरुआत भारतीय नौसेना ने 1995 में अंडमान और निकोबार कमान में की थी।
  - वर्ष 1995 के संस्करण में केवल चार देशों इंडोनेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड की भागीदारी के साथ शुरू इस अभ्यास में प्रतिभागियों की संख्या और अभ्यास की जटिलता के संदर्भ में परिवर्तन हुए हैं।
  - मूल रूप से भारत की 'लुक ईस्ट पॉलिसी' के अनुरूप शुरू किये गए बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मिलन ने आने वाले वर्षों में भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और क्षेत्र में सभी के लिये सुरक्षा एवं विकास (सागर) पहल के साथ अपना विस्तार किया, जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र तथा पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) के तटवर्ती देशों को शामिल किया गया।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/exercise-milan-2022